ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६७
दिनांक- शुक्रवार, ०६ सितम्बर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.9 एवं 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 78 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.8 एवं दोपहर में 36.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 7.4 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(10–14 सितम्बर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 10–14 सितम्बर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्की–हल्की वर्षा की सम्भावना बनी रहेगी। बेगुसराई, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर तथा दरभंगा जिलों में १३–१४ सितम्बर के आसपास मध्यम वर्षा भी हो सकती है। पूरे पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में मध्यम बादल छाये रह सकते है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 10–15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगात बोयी गई धान की फसल में गंधी बग कीट की निगराणी करे। इसके शिषु एवं पौढ़ दोनों शुरुआत में कोमल पत्तियों एवं तनों का रस चुसकर पौधें को कमजोर बना देती है। बालियॉ निकलने तथा दूध भरने की अवस्था में यह दाने को चुसकर खोखला एवं हल्की बना देती है, जिससे उपज काफी प्रभावित होता है। इस समय यह पौधे को अधिक क्षति पहुचाती है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10–15 किलोग्राम की दर से भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। किसान भाई खड़ी फसलों में दवा का छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- पिछात बोयी गई धान की फसल जो कल्ले बनने की अवस्था में हो, में 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कहीं–कहीं अगात बोयी गई धान की फसल जो बाली निकलने की अवस्था में आ गई हो, में 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- किसान भाई इस माह की 15 सितम्बर तक अरहर की बुआई उचॉस जमीन में संपन्न कर ले। इसके लिए पूसा–9 एवं शरद प्रभेद अनुषंसित है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जून–जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- उरद् फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। मिर्च के खेत में विषाणु रोग (पत्तियों का टेढ़ा–मेढ़ा होना) से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे। तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। अगात फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे। पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुषंसित है।
- मूली एवं गाजर की अगेती बुआई करें। मूली के लिए पूसा चेतकी, पूसा देषी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रष्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निषान्त आदि प्रभेद अनुषंसित है। गाजर के लिए पूसा केसर, पूसा मेघाली, पूसा यमदागिनी, अमेरिकन ब्युटी, कल्याणपुर येलो एवं नैन्टेस प्रभेद अनुषंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25X10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।
- स्वस्थ एवं सुडौल आकार वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए किसान भाई ट्राइकोडरमा खाद से मृदा उपचार कर सब्जियों की रोपाई करें। मिर्च, बैगन, टमाटर की फसलों एवं नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े–मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक–पौधें से दूसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम विज्ञान)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी